## राजस्व विमाग

## युद्ध जागीर

## दिनांक 29 सितम्बर, 2000

क्रमांक 1405-ज-2-2000/3767. —श्री गंगा राम, पुत्र श्री सफटर सिंह, निवाही गांव ताचरोन, तहसील जगावरी, जिला यमुनानगर, को पूर्वी पंत्राव युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 की घारा 2 (ए) (Îए) तथा 3 (Îए) के अधीन सरकार की श्रीधसूचना क्रमांक 2020-ज-2-77/657, दिनांक 6 जनवरीं, 1978 द्वारा 150 रू० वार्षिक और उसके बाद श्रीधसूचना क्रमांक 178-ज-2-79/44040, दिनांक 30 श्रश्तूबर, 1979 द्वारा 300 रुपये और बाद में श्रीधसूचना क्रमांक 2944-ज-2-93/15918, दिनांक 26 श्रगस्त, 1993 द्वारा 1000 रुपये वार्षिक की दर से जानीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्री गंगा राम की दितांक 3 नार्च, 2000 को हुई मृत्यु के परिणाम स्त्रहरप हरियाणा के राज्यपाल उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है ब्रोर उसमें ब्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की हैंगई शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस जागीर को श्री गंगाराम की पत्नी श्रीमनी बेगवती के नाम रबी, 2000 से 1000 खाये प्रति वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

## दिनांक 6 स्रक्तूबर, 2000

कमांक 1279—ज-2-2000/10599. स्त्री दरयाव सिंह, पुत्र श्री राम नाथ, निवासी गांव फोगाट, तहसील दावरी, जिला भिरानी, को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रितियम, 1948 की धारा 2 (ए) (ए) तथा 3(ए) क श्रक्षीन सरकार की अधिसूचना कमांक 1497-ज-I-71/23334 द्वारा 150 कार्य वार्षिक और उसके बाद अधिसूचना कमांक 1787-ज-I-79/44040, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979 द्वारा 300 रुपये और बाद में प्रितिसूचना कमांक 2944-ज-2-93/15918, दिनांक 26 अगस्त, 1993 द्वारा 1,000 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्री दरयाद सिंह की दिनांक 10 अक्तूबर, 1996 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के तज्यपाल, उपरोक्त श्रविनियम (जैसाकि उसे हरियाणा राज्य में अपनाम गया है और उसमें श्राज तक संशोवन किया गया है) की धारा 4 के स्त्रीन श्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करने हुये इस जागीर की श्री दरमान सिंह की पत्नी श्रीमती भुरी विशे नाम खरीफ, 1996 से 1,000 राप्ये वाजिक की दर से सनद में दी गई शतों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

मिन्नाक 1333-ज-2-2000/10632.—श्री बीर सिंह, पुत्र श्री ध्यात सिंह, तिनासी नांव ताहरा, तहसील प्रम्बाला, जिला भ्रम्बाला, को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियन, 1948 को आरा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अभीन तरहार की अधिसूचना क्रमांक 1164-ज-1-93/32502, दिनांक 19 अक्तूबर, 1983 दारा 300 हपये और बाद में अधिसचना क्रमांक 2944-ज-2-93/15918, दिनांक 26 अगस्त, 1993 दारा 1,000 हपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. म्रब श्री बीर सिह की दिनांक 31 मार्च, 1991 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल उपरोक्त मिलियम (जैसाकि उसे हरियाणा राज्य में प्रयताया गरा है और उनमें आज तक बंशोबन किया गरा है) की धारा 4 के ब्रियोन प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुये इस जागीर को श्री बीर सिह की पत्नी, श्रीनहीं मेठ और के नाम रबी, 1991 से 300 रुपये तथा रबी, 1993 से 1,000 रुपये वार्षिक की दर थे सगद में दी गई जाती के ग्रन्तर्गत तबदील करते हैं।